



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उपखण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 295] नई दिल्ली, बृहस्पतिवार, अगस्त 30, 1973/भाद्रपद 8, 1895

No. 295] NEW DELHI, THURSDAY, AUGUST 30, 1973 BHADRA 8, 1895

इस भाग में निम्न पृष्ठ संख्या दी जाती हैं जिसने कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके ।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed
as a separate compilation.

MINISTRY OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT

ORDER

New Delhi, the 30th August 1973

S.O. 452(F)/18FB/IDRA/73.—Whereas by the Order of the Government of India in the Ministry of Industrial Development (Department of Industrial Development) No. S.O. 200(E)/18FB/IDRA/73, dated the 5th April, 1973 (hereinafter referred to as the said Order), the Central Government in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 18FB of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951) declared that the operation of all or any of the contracts, assurances of property, agreements, settlements, awards, or other instruments in force immediately before the publication of the said Order in the Official Gazette to which the Industrial undertaking known as the Refractory Plant near Ramgarh in Hazari-bagh District in the State of Bihar belonging to M/s. Assam Sillimanite Limited is a party or which may be applicable to the said industrial undertaking shall remain suspended upto the 30th June, 1973 and all rights, privileges, obligations and liabilities accruing or arising thereunder before the said date shall remain suspended upto the 30th June, 1973;

And whereas the Central Government in the Ministry of Industrial Development (Department of Industrial Development) by Order No. S.O. 362(E)/IDRA/73, dated the 30th June, 1973, extended the duration of the said Order upto the 31st August, 1973;

And whereas the Central Government is satisfied that the duration of the said Order should be extended further upto the 31st December, 1973.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1), read with sub-section (2), of section 18FB of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), the Central Government hereby extends the duration of the said Order upto the 31st December, 1973.

[No. F. 25/8/72-CUC.]

D. K. SAXENA, Jt. Secy.

औद्योगिक विकास मंत्रालय

आदेश

नई दिल्ली, 30 अगस्त, 1973

का० आ० 452(अ)/18ख ल/आई० डी० आर० ए० / 73.—यतः भारत सरकार के औद्योगिक विकास मंत्रालय (औद्योगिक विकास विभाग) के आदेश सं० का० आ० 200 (ई) 18ख ल/आई० डी० आर० ए०/73, तारीख 5 अप्रैल, 1973 (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त आदेश हो गया है) द्वारा, उद्योग (विकास और विनियम) अधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 18 ख ख की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार ने यह घोषणा की थी कि उक्त आदेश के राजपत्र में प्रकाशन के ठीक पूर्व प्रवृत्त ऐसी सभी संविदाओं, सम्पत्ति के हस्तान्तरण पत्रों, करारों, व्यवस्थापनों, पंखाटों या अन्य लिखितों का या उन में से किसी का प्रवर्तन, जिनका मैसर्स असम सिलोमेनाइट लिमिटेड के बिहार राज्य के हजारी बाग जिले में रामगढ़ के निकट रिफैक्टरी प्लांट नामक औद्योगिक उपक्रम एक पक्षकार है या, जो उक्त औद्योगिक उपक्रम को लागू हों, 30 जून, 1973 तक निलम्बित रहेगा और उक्त तारीख के पूर्व उन के अधीन प्रोद्भूत या उद्भूत होने वाले सभी अधिकार, विशेषाधिकार, बाधा और दायित्व 30 जून, 1973 तक निलम्बित रहेंगे ;

और यतः औद्योगिक विकास मंत्रालय (औद्योगिक विकास विभाग) के आदेश सं० का० आ० 362 (अ) / आई० डी० आर० ए० / 73 तारीख 30 जून, 1973 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उक्त आदेश की अवधि को 31 अगस्त, 1973 तक बढ़ा दिया था ;

और यतः, केन्द्रीय सरकार का सन्धान हो गया है कि उक्त प्रदेश की अवधि 31 दिसम्बर, 1973 तक और बढ़ा दी जानी चाहिए ;

अतः, अब, उद्योग (विकास और विनियम) अधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 18 ख ख की उपधारा (2) के साथ पठित उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार उक्त आदेश की अवधि 31 दिसम्बर, 1973 तक बढ़ाती है ।

[नं० एफ० 25/8/72-सी०यू०सी०]

डी० के० सक्सेना, संयुक्त सचिव